अथवा

(ब) स्मितमथ हसितं विहसितमुपहसितं चापहसितमतिहसितम्।

द्वौ द्वौ भेदौ स्यातामुत्तममध्याधमप्रकृतौ॥

5. ''एको रसः करुण एव'' इस पंक्ति के आधार पर उत्तररामचरितम् के अङ्गीरस का विवेचन कीजिए।

6. रत्नावली नाटिका के आधार 'रत्नावली' पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

7. भरतमुनि कृत रससूत्र की विशद व्याख्या कीजिए।

8. रूपकों के 10 भेदों में से नाटक को सर्वप्रथम स्थान क्यों दिया जाता है ? स्पष्ट करते हुए नाटक के अतिरिक्त किन्हीं 4 रूपक के भेदों के स्वरूप को समझाइये।

9. दशरूपकम् के आधार पर भारती वृत्ति का लक्षण एवं स्वरूप का वर्णन कीजिए।

MASA-06

December – Examination 2021

M.A. (Final) Examination

SANSKRIT

नाटक तथा नाट्यशास्त्र

Paper : MASA-06

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **4×4=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार, एक वाक्य, एक शब्द या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 4 अंकों का है।

1. (i) उत्तररामचरितम् के लेखक कौन हैं ?

(ii) हा हा देवि स्फुटति हृदयं ध्वसंते देहबन्धः—यह कथन उत्तररामचरितम् नाटक के किस पात्र का है ?

(iii) रत्नावली किस कोटि का रूपक है ?

(iv) कायिक तथा वाचिक अभिनय में क्या अन्तर है ?

(v) प्रयोगातिशय किसे कहते हैं ?

(vi) शुद्ध एवं विकृत प्रहसन में क्या अन्तर है ?

(vii) नाट्यशास्त्र के अनुसार मूल रस कौनसे हैं ?

(viii) नाट्यशास्त्र के अनुसार संग्रह किसे कहते हैं ?

खण्ड—ब 4×16=64

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

2. निम्नलिखित में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

(अ) गुञ्जत्कुञ्जकुटीरकौशिकघटाघुत्कारवत्कीचक।
स्तम्बाडम्बरमूकमौकलिकुलः क्रौञ्चाभिधोऽयं गिरिः।
एतस्मिन्प्रचलाकिनां प्रचलतामुद्वेजिताः कूजितै-
रुद्वेल्लन्ति पुराणरोहिणतरुस्कन्धेषु कुम्भीनसाः॥

अथवा

(ब) अन्तःकरणतत्त्वस्य, दम्पत्योः स्नेहसंश्रयात्।
आनन्दग्रिन्थरेकोऽयमपत्यमिति पठ्यते॥

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

(अ) स्रस्तः स्रग्दामशोभां त्यजति विरचितामाकुलः केशपाशः
क्षीबाया नूपुरौ च द्विगुणतरमिमौ क्रन्दनः पादलग्नौ।
व्यस्तः कम्पानुबन्धादनवरतमुरो हन्ति हारोऽयमस्याः
क्रीडन्त्याः पीडयेव स्तनभरविनमन्मध्यभङ्गानपेक्षम्॥

अथवा

(ब) ह्रिया सर्वस्यासौ हरति विदितास्मीति वदनं
द्वयोर्दृष्टवाऽऽलापं कलयति कथामात्मविषयाम्।
सखीषु स्मेरासु प्रकटयति वैलक्ष्यमधिकं
प्रिया प्रायेणास्ते हृदयनिहितातङ्कविधुरा॥

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या संस्कृत भाषा में कीजिए :

(अ) अवस्थानुकृतिर्नाट्यं, रूपं दृश्यतयोच्यते।
रूपकं तत्समारोपात्, दशधैवरसाश्रयम्॥